अलवर में दिल्ली निवासी पादरी पर 15 लोगों को धर्मांतरण कराने का आरोप

मौके पर पहुंची पुलिस ने पादरी को हिरासत में लिया, 15 लोग मौके से फरार हो गए

अलवर, (निसं)। अलवर में धर्मांतरण के आरोप पर लोगों ने पादरी से मारपीट कर दी। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ता सूचना मिलने पर एक घर में घुसे, जहां ईसा मसीह की प्रार्थना चल रही थी। कार्यकर्ताओं ने पादरी को घर से बाहर निकाला, जबकि 15 लोग मौके से फरार हो गए। भीड़ ने पादरी के कपड़े भी फाड़ दिए। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो महिला पादरी को लात मारती हुई दिख रही है।

विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पादरी दिल्ली से आता है। संगठन को सूचना मिली थी कि इस घर में धर्मांतरण कराया जा रहा था। मौके से धार्मिक साहित्य और प्रार्थना से जुड़ी किताबें मिली हैं। मोबाइल की जांच में धार्मिक गतिविधियों से जुड़े वीडियो और अन्य सामग्री भी मिली है। पूछताछ में पादरी ने बताया कि अब तक 15 से ज्यादा लोगों का धर्मांतरण करवा चुका है। यह मामला अखेपुरा थाना क्षेत्र स्थित तंवर कॉलोनी का है। गुरुवार दोपहर 1 से 3 बजे तक हंगामा चला। मौके पर पहुंची पुलिस ने पादरी को हिरासत में लिया। कार्यकर्ता आरोपी को पैदल ले जाने की माँग पर अड़ गए और पुलिस की गाड़ी के आगे खड़े हो गए।

अलवर में धर्मांतरण के आरोप में विहिप कार्यकर्ताओं ने घर से बाहर निकाल पादरी से मारपीट कर दी।

विहिप के प्रांत संयोजक प्रेम सिंह राजावत ने बताया कि संगठन को सूचना मिली थी कि तंवर कॉलोनी में धर्मांतरण की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। सूचना पर कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। घर में कुछ लोग एकत्रित होकर ईसा मसीह से जुड़ी प्रार्थना और धार्मिक पाठ में शामिल थे। विहिप कार्यकर्ताओं के पहुंचने के बाद करीब 15 जने मौके से फरार गए। कार्यकर्ताओं ने जब पादरी की तलाशी ली, तो उसके पास से धार्मिक साहित्य और प्रार्थना से जुड़ी किताबें मिलीं। मोबाइल की जांच में भी धार्मिक गतिविधियों से जुड़े वीडियो मिले है।

- मोबाइल की जांच में धार्मिक गतिविधियों से जुड़े वीडियो और अन्य सामग्री भी मिली

नितिन ने बताया कि मैं दूसरी बार इस कार्यक्रम में शामिल होने आया था। घर में ईसा मसीह का पाठ कराया जा रहा था। लोगों के लिए प्रार्थना की जा रही थी। सभा में दावा किया जा रहा था कि इस प्रार्थना को करने से सभी बीमारियां दूर हो सकती हैं। साथ ही, हिंदू देवी-देवताओं से दूर रहने की बातें भी कही जा रही थीं।

पूछताछ में पादरी राजकुमार ने बताया कि मैं दिल्ली का रहने वाला हूं। पिछले चार-पांच सालों से अलवर आता-जाता रहा हूं। लोगों को ईसा मसीह से संबंधित धार्मिक पाठ और प्रार्थना करवाता हूं। दिल्ली में मेरी कपड़ों की दुकान है। विहिप कार्यकर्ताओं के पूछने पर पादरी ने कहा कि मैं अब तक यहां करीब 15 लोगों का धर्म परिवर्तन करवा चुका हूं।

हंगामे की सूचना मिलते ही अखेपुरा थाना पुलिस एसएचओ महेश के नेतृत्व में मौके पर पहुंची। पुलिस जब पादरी को वाहन में बैठाकर थाने ले जाने लगी, तो कुछ समय के लिए विहिप कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। कार्यकर्ताओं की मांग थी कि आरोपी को पैदल ले जाया जाए। बाद में पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच समझाइश के बाद स्थिति शांत हुई। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर थाने पहुंची।

अखेपुरा थाना प्रभारी महेश ने बताया कि संबंधित व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। सभी पहलुओं की पड़ताल के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों और आरोपों की जांच में जुटी हुई है।

कोटा में कोचिंग छात्र ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर थाना इलाके में कोटा में रहकर इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे कोचिंग छात्र ने बुधवार देर रात्रि को कमरे में फांसी का फन्दा लगाकर आत्महत्या कर ली।

जानकारी के अनुसार सालभर से जवाहर नगर इलाके के राजीव गांधी नगर में एक पीजी में रह रहे यूपी निवासी कोचिंग छात्र ने कमरे में फांसी का फन्दा लगा लिया, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और छात्र को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बुधवार रात्रि को मृतक के शव को एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम में रखवाया और मृतक के परिजनों को सूचित किया गया।

- यूपी निवासी कोचिंग छात्र कोटा में रहकर इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा था

जवाहर नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर ने बताया कि उत्तरप्रदेश के संत कबीर नगर निवासी आर्यन ओझा (17) कोटा में रहकर इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा था, छात्र ने राजीव गांधी नगर स्थित पीजी पर अपने कमरे में फांसी का फन्दा लगा लिया, सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के परिजनों के कोटा पहुंचने के बाद गुरूवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया, फिलहाल आत्महत्या के पीछे कोई कारण सामने नहीं आया है।

पुलिस उप अधीक्षक योगेश शर्मा ने बताया कि छात्र फरवरी माह में ही कोटा आया था तथा जेईई की तैयारी कर रहा था। प्रारंभिक तौर पर सामने आया है कि छात्र ने अभी कोई एग्जाम नहीं दिया था। छात्र के परिजन कोटा पहुंचे, परिजनों के कोटा पहुंचने पर परिजनों के कहने पर बिना पोस्टमार्टम के ही छात्र का शव उनको सौंपा गया है। वह शव को लेकर चले गए हैं। परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मामले में अनुसंधान किया जा रहा है। मामले में हर एंगल पर जांच की जाएगी।

मंदिर में हुई चोरी का खुलासा

बिसाऊ, (निसं)। झुंझुनूं पुलिस ने शिव मंदिर में हुई चोरी की वारदात का महज छह घंटे में खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने चोरी किया गया संपूर्ण सामान भी बरामद कर लिया है।

बिसाऊ थाना प्रभारी शेरसिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, कस्बा बिसाऊ स्थित राजपूत समाज के मुक्तिधाम में बने शिव मंदिर में 1 जून की रात अज्ञात चोर ने मंदिर का ताला

- चोरी का माल सहित दो जने गिरफ्तार

तोड़कर आरती मशीन, शिवलिंग का तांबे का कलश, शेषनाग-त्रिशूल स्टैंड, 200 फीट केबल रोल, प्लास्टिक बाल्टी, पीतल की घंटी, पीतल का दीपक तथा एक ओरिएंट पंखा चोरी कर लिया। इतना ही नहीं, आरोपी ने मंदिर में स्थापित मूर्ति को भी हटाकर मुख्य द्वार के पास पटक दिया, जिससे श्रद्धालुओं में आक्रोश व्याप्त हो गया। घटना की सूचना मिलने पर मंदिर समिति से जुड़े नरेन्द्र सिंह ने पुलिस थाना बिसाऊ में रिपोर्ट दर्ज कराई। मामला दर्ज होते ही पुलिस हरकत में आई और आसपास के लोगों से पूछताछ तथा सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी जाकिर खान (42) निवासी वार्ड संख्या 13, बिसाऊ को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने चोरी की वारदात कबूल कर ली।

हनुमानगढ़ में 15 हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

परिवादी के पिता के नाम इंतकाल दर्ज करने के बदले 30 हजार की रिश्वत मांगी

हनुमानगढ़, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो हनुमानगढ़ इकाई ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए चाहूवाली पटवार मंडल, तहसील टिब्बी के राजस्व पटवारी श्रीराम को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पटवारी पर परिवादी के पिता के नाम इंतकाल (नामांतरण) दर्ज करने की एवज में 30 हजार रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी हनुमानगढ़ को एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि राजस्व पटवारी श्रीराम, निवासी डबली खुर्द, टिब्बी, परिवादी के पिता के नाम इंतकाल दर्ज करने के बदले 30 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा है। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने उसका सत्यापन किया, जिसमें आरोप प्रथमदृष्टया सही पाए गए।

एसीबी ने राजस्व पटवारी श्रीराम को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

इसके बाद एसीबी टीम ने ट्रैप कार्रवाई की योजना तैयार की। एसीबी के उपमहानिरीक्षक पुलिस नारायण टोगस के सुपरविजन में हनुमानगढ़ इकाई की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुधा पालावत के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए आरोपी पटवारी को 15 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान एसीबी की टीम ने मौके पर आवश्यक साक्ष्य भी एकत्रित किए।

गोगुंदा में जेवर सहित चार लाख का सामान चोरी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के जिले के गोगुंदा में उन्डीथल ग्राम पंचायत के कड़ेचावास में बीती रात चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाया। चोरों ने यहां जमकर उत्पात मचाया और घर के अंदर रखे कीमती सामान और जेवरों से भरी पेटियां चुरा ली। शातिर चोर इन पेटियों को घर से करीब 300 मीटर दूर एक आम के पेड़ के नीचे ले गए। वहां उन्होंने आराम से पेटियों के ताले तोड़े और उसमें रखे सोने-चांदी के जेवर व नकदी समेटकर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार कड़ेचावास के रहने वाले मांगीलाल सेन के घर में देर रात अज्ञात चोर घुस आए। चोरों ने कमरों में रखे पूरे सामान को पूरी तरह बिखेर दिया। इसके बाद वे भारी-भरकम पेटियां उठाकर ले गए। मांगीलाल ने बताया कि परिवार के लोग सुबह जागे तो घर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। पूरा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। जब खोजबीन की गई तो घर से 300 मीटर दूर आम के पेड़ के नीचे पेटियां टूटी हुई हालत में मिली, जिनमें से सारा कीमती सामान गायब था। पीड़ित मांगीलाल सेन ने बताया कि चोर उनके घर से सोने व चांदी के जेवर चुरा ले गए। जेवरों के अलावा चोरों ने घर में रखी 40 हजार रुपये की नकदी और दो मोबाइल फोन पर भी हाथ साफ कर दिया। शुरुआती अंदाजा लगाया जा रहा है कि चोरी गए इस पूरे माल की कीमत 4 लाख रुपये से भी ज्यादा है। मामले की जानकारी मिलते ही गोगुंदा पुलिस की टीम जाब्ते के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया।

सीकर विधायक की गाड़ी और बाइक की टक्कर, एक युवक घायल

सीकर, (निसं)। सीकर विधायक की गाड़ी और एक बाइक की टक्कर में बाइक सवार युवक घायल हो गया। विधायक घायल युवक को फौरन नवलगढ़ के जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे सीकर रेफर कर दिया। घटना झुंझुनूं जिले के नवलगढ़ थाना क्षेत्र के वीर बालाजी मंदिर के पास की है। घायल युवक की पहचान रामकुमार सैनी निवासी अंटावली ढाणी (नवलगढ़) के रुप में हुई।

सीकर विधायक राजेंद्र पारीक ने

- विधायक घायल युवक को लेकर नवलगढ़ अस्पताल पहुंचे, जहां से सीकर रेफर किया

बताया कि गुरुवार सुबह नवलगढ़ में एक शोकसभा में शामिल होने के लिए आए थे। सुबह 11:45 बजे वीर बालाजी मंदिर के पास सामने से आ रहा एक बाइक सवार कार की साइड से टकरा गया और बेकाबू होकर सड़क पर गिर गया। घटना के फौरन बाद उसे अपनी गाड़ी से नवलगढ़ के जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां घायल युवक रामकुमार सैनी को प्राथमिक उपचार दिया गया। बेहतर इलाज के लिए उसे सीकर ले जाने का फैसला किया गया। इस पर कार्यकर्ताओं के साथ उसे सीकर भेजा गया है। घायल के इलाज में जो भी खर्च आएगा, वह मेरी ओर से वहन किया जाएगा। इसके बाद विधायक शोकसभा के लिए रवाना हो गए।

विषाक्त दवा के सेवन से युवक की मौत

सूरजगढ़, (निसं)। क्षेत्र के भूडनपुरा गांव निवासी एक युवक की विषाक्त दवा के सेवन के बाद उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक को गंभीर अवस्था में आदर्श राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सूरजगढ़ में भर्ती कराया गया था, जहां चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नितिन पुत्र बाबूलाल निवासी भूडनपुरा विषाक्त दवा के सेवन के बाद बेहोशी की हालत में मिला। उसे तत्काल उपचार के लिए सूरजगढ़ के सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार शुरू किया। अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों ने युवक को बचाने के हरसंभव प्रयास किए, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की सूचना मिलते ही अस्पताल परिसर में लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की जानकारी पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। साथ ही परिजनों को घटना की सूचना देकर उनके बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला विषाक्त दवा के सेवन का प्रतीत हो रहा है, लेकिन युवक ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की पड़ताल कर रही है फिलहाल मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। घटना के बाद भूडनपुरा सहित आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल है तथा परिजन गहरे सदमे में हैं।

शादी कराने का झांसा देकर ठगी

सुलताना, (निसं)। जिले की सुलताना थाना पुलिस ने विवाह करवाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से धोखाधड़ी कर हड़पी गई राशि भी बरामद कर ली है।

पुलिस के अनुसार किठाना निवासी सत्यवीर पुत्र बदरूराम जाट ने 2 जून को सुलताना थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसकी पहचान अशोक पुत्र महेश कुमार निवासी घरडाना खुर्द से थी। अशोक ने उसके पुत्र की शादी करवाने का भरोसा दिलाते हुए कुछ रूपये खर्च होने की बात कही। शादी की बात तय होने के बाद 4 अप्रैल 2026 की रात एक महिला दुल्हन बनकर उनके घर पहुंची, लेकिन अगले ही दिन वह घर में रखे जेवर और 10 हजार रूपये नकद लेकर फरार हो गई। पीड़ित को जब अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ तो उसने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। थानाधिकारी रविन्द्र कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने सूचनाएं जुटाने के बाद पुलिस ने गिरोह से जुड़े किशनलाल तथा अशोक पुत्र महेश कुमार जाट को पकड़ लिया।

बाइक टच होने के विवाद में युवक से मारपीट

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र में एक ब्लिंकिट डिलीवरी बॉय के साथ मारपीट, अपहरण, तोड़फोड़ और लूटपाट का मामला सामने आया है। सिर्फ गाड़ी टच होने के मामूली विवाद को लेकर कुछ युवकों ने वारदात को अंजाम दिया। घटना के विरोध में आक्रोशित होकर बड़ी संख्या में ब्लिंकिट के डिलीवरी पार्टनर्स गांधीनगर थाने के बाहर एकत्रित हो गए और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन कर रहे साथी कर्मचारी बबलू सिंह ने बताया कि ब्लिंकिट कंपनी का डिलीवरी बॉय गजेंद्र सिंह गुरुवार सुबह पुलिस लाइन इलाके में एक ऑर्डर की डिलीवरी देने गया था। इसी दौरान उसकी बाइक एक अन्य वाहन से टच हो गई। गजेंद्र सिंह ने अपनी गलती के लिए माफी मांगी और वाहन को हुए नुकसान की भरपाई करने की बात भी कही, लेकिन इसके बावजूद संबंधित व्यक्ति शांत नहीं हुआ और विवाद बढ़ता चला गया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि दूसरे वाहन चालक ने पहले तो गजेंद्र के साथ सरेराह गाली-गलौच की और फिर फोन करके अपने अन्य साथियों को भी मौके पर बुला लिया। इसके बाद आरोपी युवक गजेंद्र सिंह को जबरन अपने साथ उठाकर एक घर में ले गए। वहां बंधक बनाकर उसके साथमारपीट की गई, जिससे गजेंद्र सिंह को गंभीर चोटें आई हैं। आरोपियों ने गजेंद्र सिंह का मोबाइल फोन तोड़ दिया और उसकी बाइक को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। आरोपियों ने उसके पास रखे चार हजार नगद भी जबरन छीन लिए। जब डिलीवरी बॉय के साथियों को इस घटना का पता चला और उन्होंने इस मामले की शिकायत पुलिस में करने की बात कही, तो दबंग आरोपियों ने उन्हें खुलेआम धमकी दी। आरोपियों ने कहा कि "उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता"। जिसके बाद सभी एकजुट होकर गांधीनगर थाने पहुंचे और तत्काल कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। उन्होंने दोटूक शब्दों में चेतावनी दी है कि जब तक सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त से कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक प्रदर्शन और कामबंद हड़ताल लगातार जारी रहेगी।

महिला पटवारी ने पांच हजार की रिश्वत ली

जयपुर/अलवर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अलवर प्रथम टीम ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए खैरथल-तिजारा जिले की सांथलका तहसील टपूकड़ा की एक महिला पटवारी को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपित महिला परिवादी के पिता के निधन के बाद इंतकाल खोलने और राजस्व रिकॉर्ड में नाम दुरुस्त करने की एवज में रिश्वत मांग रही थी।

एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसके पिता के निधन के बाद स्वयं एवं अन्य परिजनों के नाम इंतकाल दर्ज कराने तथा राजस्व रिकॉर्ड में पिता का नाम सही करवाने के लिए महिला पटवारी आशा देवी तीस हजार रुपये रिश्वत की मांग कर रही हैं। शिकायत के सत्यापन के दौरान 25 मई को एसीबी ने पाया कि आरोपित महिला पटवारी रिश्वत की मांग कर चुकी थी तथा परिवादी से पहले ही 10 हजार रुपये ले चुकी थी। इसके अलावा वह 5 हजार रुपये और देने का दबाव बना रही थी। इसके बाद एसीबी चौकी अलवर प्रथम के प्रभारी शब्बीर खान के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान महिला पटवारी आशा देवी को परिवादी से 5 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया।

पावटा की साबी नदी के किनारे भारी मात्रा में "राजस्थान सरकार" लिखी दवाइयां मिलीं

पावटा, (निसं)। ग्राम राजनौता क्षेत्र की साबी नदी के किनारे बड़ी मात्रा में सरकारी दवाइयां मिलने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। नदी क्षेत्र में खुले में पड़ी दवाओं की सूचना मिलने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जहां दवा की शीशियां बिखरी हुई दिखाई दी। दवाओं की पैकिंग पर "राजस्थान सरकार" अंकित होने के कारण मामला गंभीर हो गया है और सरकारी दवा वितरण व निस्तारण व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दवाइयां नदी किनारे झाड़ियों और खुले स्थानों पर फैली हुई थीं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि ये दवाइयां सरकारी स्टॉक की है तो उनका इस तरह खुले में पहुंचना गंभीर लापरवाही का मामला है। लोगों ने आशंका जताई कि दवाओं को नियमों के तहत नष्ट करने के बजाय सुनसान क्षेत्र में फेंका गया हो सकता है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जहां कई बार सरकारी अस्पतालों में मरीजों को आवश्यक दवाइयों की कमी का सामना करना पड़ता है, वहीं दूसरी ओर सरकारी दवाओं का खुले में मिलना व्यवस्था की खामियों को उजागर करता है। साथ ही खुले में पड़ी दवाइयों से बच्चों, पशुओं और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। मामले की जानकारी मिलने के बाद चिकित्सा विभाग हरकत में आया।

पावटा के ग्राम राजनौता क्षेत्र की साबी नदी के किनारे सरकारी दवाइयां मिलने से हड़कंप मच गया।

ब्लॉक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (बीसीएमएचओ) कृष्ण सिंह ने बताया कि घटना की सूचना प्राप्त हुई है। प्रारंभिक स्तर पर संबंधित चिकित्सक द्वारा इन दवाइयों को अस्पताल के स्टॉक से जुड़ा होने से इनकार किया गया है, लेकिन मामले की गहन जांच कराई जाएगी। दवाओं के बैच नंबर, सप्लाई रिकॉर्ड और स्टॉक रजिस्टर की जांच के आधार पर यह पता लगाया जाएगा कि दवाइयां किस स्थान से आईं और नदी क्षेत्र तक कैसे पहुंचीं। बीसीएमएचओ ने कहा कि जांच में यदि किसी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता सामने आती है तो जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

- मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कृष्ण सिंह ने मामले को लेकर जांच करवाने के आदेश दिये

इधर स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से पूरे मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि सरकारी दवाओं के रखरखाव, वितरण और निस्तारण की व्यवस्था की भी समीक्षा होनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। साबी नदी किनारे मिली सरकारी दवाओं की यह खेप अब केवल लापरवाही का मामला नहीं, बल्कि सरकारी स्वास्थ्य संसाधनों की निगरानी और जवाबदेही से जुड़ा बड़ा सवाल बन गई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकेगी।

अजमेर के पीसांगन क्षेत्र में कथित 'लव जिहाद' मामले में ग्रामीणों का प्रदर्शन

नाबालिग बालिका को वापस परिजनों को सौंपने और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग

अजमेर, (कासं)। पीसांगन तहसील क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग बालिका से जुड़े कथित 'लव जिहाद' प्रकरण को लेकर गुरुवार को बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने अजमेर जिला कलैक्ट्रेट के बाहर एकत्रित होकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग उठाई।

- ग्रामीणों ने अजमेर कलैक्ट्रेट के बाहर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा
- ग्रामीणों का आरोप है कि उनके गांव की एक नाबालिग बालिका को आदिल नामक युवक ने प्रेम संबंधों के जाल में फंसाकर उससे निकाह कर लिया

नरेन्द्र कुमार सेन समेत ग्रामीणों का आरोप है कि उनके गांव की एक नाबालिग बालिका को आदिल नामक युवक ने प्रेम संबंधों के जाल में फंसाकर उससे निकाह कर लिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बालिका अभी नाबालिग है, इसलिए पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जानी चाहिए और उसे सुरक्षित रूप से उसके परिजनों को सौंपा जाना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने कहा कि बालिका के परिवार को न्याय दिलाने के लिए वे लंबे समय से प्रशासनिक स्तर पर गुहार लगा रहे हैं, लेकिन अब तक संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि मामले में शामिल सभी व्यक्तियों की भूमिका की जांच की जाए तथा यदि कोई संगठित गिरोह सक्रिय है तो उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रकार की घटनाओं के पीछे यदि कोई नेटवर्क या गिरोह कार्य कर रहा है तो उसकी भी गहन जांच होनी चाहिए। साथ ही यह भी पता लगाया जाए कि ऐसे लोगों को आर्थिक सहायता या फंडिंग कहां से प्राप्त हो रही है।

प्रदर्शन के बाद ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल ने जिला प्रशासन के अधिकारियों से मुलाकात कर अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नाबालिग बालिका की सुरक्षा सुनिश्चित करने, मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से आग्रह किया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी तथ्यों की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई की जाए, जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई और परिवार को न्याय नहीं मिला, तो क्षेत्रभर के लोगों को साथ लेकर एक बड़ी महापंचायत आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर ग्रामीण समाज में भारी आक्रोश है और लोग प्रशासन से त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई की अपेक्षा कर रहे हैं। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों की बात सुनी और मामले को संबंधित विभागों तक पहुंचाकर जांच करवाने का आश्वासन दिया।